

मुणित वर्ष कि: मुणिय वर्ष यम छाछि। छ तक व्यक्तिक लाम त्यां ह्या।
आधा मुणिय वर्ष । याग अभगवान २९ मार्थ २०२० (शक्त २५ विराधन व्यक्तिक लाम तम व्यक्तिक व्यक्ति

कारित अस्ति अन्वश्नामाः ति क्षिणि भवा क्षेत्र प्रिक्ति व्यक्ति कारित विकास क्षिण्य कार्यात् कार्यात्

क्रीति भीति वांष्य प्रांष्य प्रांप्य प्रांष्य प

लिक्षण करके द्रमं मैकिय वस्तं अपमानमा।

प्रमाण प्राप्त करके द्रमं मैकिय वस्तं अपमानमा।

प्रमाण प्रम

त्राभुक्त अवकात्र विद्यात ३ की काश्वापत अवकाप्त । वास्तुक्त काल्या अवकाप्त अवकाप्त

मुखित व्रक्षे (आसा: मुखिर वह अभग्रभमार दिवानाय मिलें (आसा द्वार कर्वे क्रायमधी क्रार इस्प्रिया। श्वारमा फिक्टारेमाइ अबामाही राष्ट्रमा। (जालाइ ल्लाद्रिके याच पकति (अखिताम कार्य कार्य भाषा काष्यां भिष्टित क्रिक व्याप त्त्रिया देश भाष्य वर्ष कार्ष्याण्य भाष्याणव कुरू त्यावे काला उर् कारकत । त्यानी मिख्र अकका लिया इस्टि दम्याभिष्ठं लाभके लाभक । यहायमें द्वावाप्त ग्रह्माण्य कार्ट जातक विका जालान, जातक विका निर्वृत जाने (जालांक अक्षेत्रीय विस्तितिक अके सिया द्रांतर । (प्राक्षात लाह लाह लाह सावा प्रकार प्राप्त मिल्यें य्रमात कर हित थात जातिक याः लाग (लहा न्यूकित अवी कावर्ष, तर तर ताप्राप्त कार्य ने दिखेल कार्या प्रा MUJIB 100'1

(लाला गुक्शत निर्पाक्षिका: मुण्डिय वर्सिव (लाला यरभलयुक हारव वाक्रारवं अल्भा तिम्रक्ष विक निर्पालया छाति कवा 2 (416) -या निर्धाविक तः, वर्गिमार्ग ए आकृति गुडी ए प्रमा (प्राप्ता दुलाक्त तर् (प्राप्ता योवडा क्या गाव भा 7। सकल मरेकाछ त वमरेकारि सिविक्षियं काल स-मे सिकिश्यं (पाक्षिरं मिल्या मिर्याय विषयं व्याभार को करां TO THE I ७। भवकावि आजिकामादीन भक्त काविक्टात्व स्मायुक आहा, सिक्षि क व्यम् श्रापय (काम्येय या आके मेळेवांक (प्रास्थिव मिस्पिकाका कार्य कर्ड सिक्षिक है जार्य मार्किक इन्हें या मिष्यक द्यारामी यायहार क्या याता याता 81 क्रीकुर्म आध्यमिक तर् भव्याप्त क्री यावार्वाप लर् (आधा ग्रेड हाइ करे। मारि । ए। अग्नार भाम बील (विकायन, (बाटे प्णाप, कात्मनात) वरे (माली यीवशंग कर्ग याव । ता वाकिशत की या (कारकार्य वामिल्योक स्थितिके-ए एउँ

(लाला गुवराइ कवा घारव मा। वा रिम्यारके, आमकारम, आश्चिमास का अनुकाम प्रमारिक परे (आस्म गुर्वश्व कव यात मा म २० एट्टिमभेषे २००० अस्य लेक (प्राक्षा कोराव करा यात । श्री व्यक्ति हे एक के अवकार्य अवकारि विषय अविश्वासन आविक्षित्रक (ग्रामाणिक अपन क्राप्टिम कार्ट वरः भागवि रूपि तर (प्राक्षि ग्रेडरांव कथा जादि।

क्रिकि अध्यः द्राविव क्षिण वल्लायम् क्षिणे मिल्ये क्रिक्र व्याप्ति क्रिक्र क्षिणे क्षणे क्षिणे क्षणे क्षिणे क्षिणे क्षिणे क्षिणे क्षिणे क्षिणे क्षिणे क्षिणे क्षणे क्षिणे क्षणे क्षणे क्षिणे क्षिणे क्षिणे क्षिणे क् रकार्ण कार्यित स्थावित स्थाव यह्मवर्षे क्षात्र मेक्टिवर व्याप्त के भाअववास्त्र दुर्गालय काश्चेयं अशिह, तेयः काछित काला यहमयम तमा मिलेड्ड उरमातन एम्सा वार्षिक रेमगाणान प्राणिय वास्वायन वासि 'अहन कर्षि । ग्रामीम ल्याममी एकाध शिमा कार्विम किमीय अलाकार्छ। यानीय अनिकात, व्यक्षात विवानमण्ड, बाण्डिति ७ आंड्रिक वाकिष्ठ, वर्जभाग असी, कि। अभित्र, भिष्या गुक्किय उ अभाएए विकार्षका मिलिय 272 क्षेत्र त अध्यक्ति व्यक्षि व्यक्षिय १ त्राबुग लाग्रीमिक विष्युक क्रमाण कार्यक व्यक्ति क्रियोंक भटामि (वरः (वरे किमिरें अमग्रास्था १२ प्रमा लेलकिति असि: अशिक कर्रभविककाता भूर्युलाव वाभुवाग्रतव महिन्न ०६ पश्चिम २०२२ लाहिता अम्बिन वाभुवाग्र -यामिष्ठ क्षात्रम भटाम १ कि देलकामि अधि कंग क्ष astem 2m: क) (मित्रावं , उंग्राक्षमा ७ व्यालाम् मा माद्य (वार्गावेय Tratable हा) आविकार्षिक कम्ब्रेटी (3 (प्राथापाश देमकार्थि

ल) गाः क्विक नार्यात उ क्याकारी आह्याकर क्याकारि हों) व्यक्ताकारा ७ आर्ड्ज व्यक्ति क्रिकाकिकि (4) आदेळाड्य त्याम्याम त वार्याम दुनाक्रमि क्षित्यां जारावं त दर्जात्रक्राप दुलकार्याः है) देशकार ए ज्याहित रिमकासिट ए) कीएा ७ व्यावर्णालक देशकारिट (याण्याण्य रिमकासिट । भूषि ववसंत् कम्भाविकल्याः हेलक्षिटिममूच अ-अ राम्योतिक प्रका प्रकार क्यूनाडिक क्या कार्या / अधिक देशकार्था अभूतिक अक्षाविका ७ सिक्ष विवास म्प्रें । अप्यायतं ७ अस्य का अस्मीयात्वं कार्य त्याये विवय क्रमाव कालीय ७ व्यातुक्तिकहार प्रावित लिखाव णुमा का ज गार्थिक छेन गाला (तर किर्निश जाड भार्यभय 3 अंकतिर के भित्र भ्रामिक अभीत करं त्युद्ध विम्रो रिष्ठिक कूषानु कर्यानिकल्याम अर्थु कर्ड अधार मीं किसी । कर्माहिक क्यानिक, फार्किए 3 रशातीय व्यापा उपयाकाराव क्या व्यापादा क्यार ही भिन्द्रक क्रा इएए । कर्मिन कलातारिक देवालिक कार्य गर रन किंग्ड विका कर्मारिक कराता करेंड 2(म्हा

भूष्णिववर्ष ७ देवेलामाः भूषिववर्ष भागति भभूषि क्षाप्रिक्ट के दिन का विकिथ दिन किया । कि राजि के के दिन कार्य के निर्माण (Mor 19 28 ampro 2(2) 2007 July allean अर्थित मुद्राहकांत्र ८० कम आसाम अस्पिस्त त शुर्मार अही रा । यास्त्री जाकि हिरास ए पक जागा (डारिक। ब्रियर्सिय अम्बः (मर्ट्स-छिन्नारः मैक्सिर्य (पिका जार मिकिरा किर्माण किरिया किरिया (अर्गुनात जाणजी जिल मीक्षा मिला फिला फिला प्रभेर विविष्

ए। उत्ती किन्नी किन्नी किन्नी किन्नी किन्नी किन्नी थात था कराउ त्मकां अपुरि अंच उद्यं दीमभद्रात्मका कार्रा प्रकृत जामाभ्यमाधिक मुद्दे व्यक्ति । जिति क्ष्यू यां भाषाकां द्रक्षिताल भूमे अभन्य त्यां द्राक्षित अंग्यांमे उत्म जाकार अव (अवा। तक्षाण क्रिये गार्म गार्थी वि त्री नुप्राधा नात रहा का कित्र (पश्च एक्त)। पश्च भूमिन वसलार आधा विष्णेव प्रापैस तिथ आहीय याः शालिकारिक। या ; मार्पका भारत भूष्ट्रित । व्या भूष्ट्रित भारतरे रा ; मार्पका । पात पक्रमुटे सूकित वर्ष ।

मुक्रियम हलाकाल नक्षत्रक यधन देयारियार एपल व्हात मान्नाहर माङ्ग भाभावित वक्षत्रक वृष्टि अवाङ (हिल्म लाक विश् कलार टोनिंड कर्किया। देशत दि ल्यालिय लाग्रावनातिय श्रिवीयवाव त्या मेल करवर्ण । विस्थि (एउं कि एके काषा किल अधिकिएण। प्रिट्रम बांड हिप हास्पति। विल्यं क' छत आर्ये जात छात ७ ६७ ? लाउं लामात्मं विका त्यारा मेलियं मान क्यां मेरियुव मार विकास मार की मार कार प्रकार कार प्रकार कार मार कार कार मार ति प्रति द्वारिक क्यार क्यार क्यार क्यार क्रियोड़ मिल्य यर्घ।

छाठीय ७ व्यानु क्रांकिक बाद अक्ट्रिन नर्सन केम यापन व्यवनु जाडमर्गिया । यक्षायक्त एम्ब्रीय भारमिया, ट्रिकाल्या, भारतिक भूगातिक उ जागागाग जात्रणीम भूकित रास्क प्राथित बर्ग्य उ प्रदेश क्रिका काव्य स्थित वाव । लाकेश (जाक जालेका कित्यं जाए बल्परश्चेंच लीवप उ कार्यत देख्या आलाक विका। परे सम्यालन आखादान व्यावित्र किरवातं अपिव त वातं अधियात्रतं कार्ण्य व्याव भागत्व रिकाम उ महम अष्टा म र ए छ जा, अमा लावं दायशमांव वाही।

य कान काकाम कार्येकः म तहमात्र अस्माप्रतन SARUWAR AUB@ gmail. Com किलाक कुमा (म्यात्र पूर्व कित्रत्र भारत (भारत्र भारतने) FREE